साप्ताहिक

गरुड़ एक्सप्रेस

MPHIN/36137-T.C.

संपादक : राजेश लक्षकार

● वर्ष - 01 ● अंक - 22 | नीमच | बुधवार, 29 मार्च 2023 | ● पृष्ठ - 8 ● वार्षिक मूल्य - 250 रुपए

नवागत पुलिस कप्तान अमित तोलानी ने संभाली नीमच की बागडोर...

नशा और अवैध धंधों पर लगाम लगाना बड़ी चुनौती

गरुड़ एक्सप्रेस | नीमच

प्रदेश भर में हुई प्रशासनिक सर्जरी के चलते नीमच जिले के पुलिस अधीक्षक का स्थानांतरण इंदौर हो गया है, उनकी जगह अमित सुरेश तोलानी नीमच के नए एसपी बनाये गए है। 27 मार्च को नवागत एसपी अमित तोलानी ने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर पत्रकारों से हुई मुलाकात के दौरान एसपी अमित तोलानी ने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य बेसिक पुलिसिंग पर रहेगा। मादक पदार्थ की तस्करी, संगठित अपराधों, महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों पर अंकुश के लिए प्रभावी कार्रवाई करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि खासतौर पर तस्करी के विरुद्ध हमारा संगठित प्रहार होगा। यातायात की व्यवस्था को सुगम, व्यवस्थित बनाने के लिए योजनाबद्ध कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि, जो भी पुलिसकर्मी व्यवस्था के विपरीत आचरण करते हैं उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, एसपी तोलानी विद्यार्थियों को मोटिवेट करने में खास रुचि रखते हैं। वे मोटिवेशन को लेकर सोशल मीडिया पर भी बेहद सक्रिय रहते हैं। इस मामले में उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को गाइड करना पसंद है। विद्यार्थियों के लिए सदैव बेहतर करने का प्रयास करेंगे।

ऑनलाइन सट्टे का कारोबार बड़ी चुनौती

नवागत एसपी के लिए नीमच जिले में कई चुनोतियाँ है जिनमें शहर में तेजी से बढ़ता ऑनलाइन सट्टे का कारोबार भी एक बड़ी चुनौती है। नीमच शहर के कई स्थान पर ऑनलाइन सट्टे का कारोबार चल रहा है। जहाँ दुबई के अंदर बैठ कर कुछ व्यक्ति नीमच शहर में सट्टे चलाने वालो पुराने सटोरियों के साथ मिलकर बड़े स्तर पर ऑनलाइन सट्टो का कारोबार चला रहे है। जो कि मासूम व बेरोजगार युवाओं के भविष्य को अंधकार में डालने का काम कर रहे है। भविष्य के साथ खिलवाड़ करके ऑनलाइन सट्टा चलाने वाले ऐसे लोगो तक पहुंच कर शहर में ऑनलाइन सट्टे के कारोबार पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है।

नशीले पदार्थों की तेजी से बढ़ रही बिक्री

पिछले कुछ अर्से के दौरान नीमच के कई युवा जैसे अत्यंत नशीले पदार्थ का व्यापार करने लगे हैं हैं। नशे की गिरफ्त में आकर महीने के हजारों रुपए लुटाने के साथ अपने स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। जिले में अवैध रूप से नशीले पदार्थों की बिक्री तेजी से बढ़ रही है और चिंतनीय बात यह है कि पुलिस के हाथ नशे के इन कारोबारियों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। जिले में मादक पदार्थों के काले धंधे ने पुख्ता जडें जमा ली हैं। रातोंरात दौलतमंद बनने का युवाओं का लालच उन्हें इस धंधे की गर्त में धकेलने का काम कर रहा है। मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के फलने-फूलने से यहां के लोग भी गांजा, चरस, अफीम आदि के सेवन के आदी हो रहे हैं। इनमें ज्यादातर युवावर्ग के लोग शामिल हैं। नवागत एसपी तोलानी को इस पर शिकंजा कसने की जरूरत है।

तस्करों पर कार्यवाही के नाम पर किसानों से होता है ब्लैकमेलिंग का खेल...

तस्कर किसानों से डोडा चूरा तो खरीद लेते हैं जब यह डोडा चूरा लेकर निकलते हैं तो कई नाकाबंदी वह मुखबिर की सूचना पर पुलिस तस्कर को पकड़ लेती है और उसके बाद चालू होता पुलिस का ब्लैकमेल, इस ब्लैकमेल के खेल में पुलिस मुखबिर की एक बड़ी कमाई हो जाती है और जिस का हिस्सा कई लोगों को मिलता है और मरता है तो सिर्फ किसान। इस पूरे खेल में पुलिस तस्कर को तो पकड़ नहीं पाती मगर छोटे-छोटे गरीब मजदूर एनडीपीएस के आरोपी बन जाते हैं और तस्कर को छोड़ने के नाम पर पुलिस बड़ी रकम तस्करों से वसूल लेती है। साथी जिस किसान से तस्कर डोडा चुरा लेकर पहुंचा था वह भी पुलिस के निशाने पर आ जाता है, इसके बाद पुलिस किसान से भी एक बड़ी रकम लेकर पूरे मामले को ही रफा-दफा कर देती है। ऐसे कई मामले में पुलिस से पैसे लेने झूठा फंसाने को लेकर पूर्व में कई पुलिसकर्मियों की शिकायत हुई है।

गोठड़ा माता की भविष्यवाणी

मई में डुमडा होगा, साल में 8 मावठे होंगे, राजनीति में हेराफेरी होगी

चैत्र नवरात्र के अंतिम दिन गुरुवार को जिले के ग्राम गोठड़ा स्थित महिषासुर मर्दिनी गोठड़ा वाली माताजी की भविष्यवाणी सुनने जनसैलाब उमड़ा। पंडा नागूलाल द्वारा की जाने वाली वर्षभर की भविष्यवाणी सुनने दूर-दूर से भक्त उपस्थित हुए। माताजी की भविष्यवाणी करते हुए कहा कि इस वर्ष वर्षा खूब होगी। गर्मी से हाल बेहाल हो जाएंगे। चना, गेहूं, लहसुन, प्याज, सोयाबीन, टमाटर, मैथी सभी फसलों का भाव तेज रहेगा, लेकिन सोयाबीन में इल्ली खूब होगी। सोना–चांदी के भाव स्थिर रहेंगे। काली चीजों का भाव भी बहुत रहेगा और काली चीजों पर भार भी रहेगा।

· रतलाम

राजनीति में हेराफेरी हो सकती है। माताजी ने बताया कि पूरे वर्षभर में कुल आठ मावठे होंगे। ओलावृष्टि भी खूब होगी। बीमारियां इतनी होंगी कि डाक्टर को भी समझ नहीं आएगा। इन बीमारियों को कम करने के लिए महावीर बजरंगबली का अभिषेक करने का उपाय बताया। जितनी हो सके उतनी गोरक्षा करें, नहीं तो गाय देखने को नहीं मिलेगी।

बारिश तो इस वैशाख (अप्रैल) में भी होगी। आंधी तूफान चलेगा। आधे ज्येष्ठ (19-20 मई के आसपास) में डूमड़ा (बारिश) होगा व आंधी चलेगी। बैठते कार्तिक (29 अक्टूबर) व आधे कार्तिक (दीपावली के आसपास) में भी पानी है। बल्कि फाल्गुन (मार्च 2024) में ओले के साथ तेज बारिश होगी। इन सहित कुल 8 मावठे इस पूरे साल में होंगे। मानसून की बारिश अच्छी होगी।

पहली बोवनी आधे आषाढ़ की एकम से नवमी (19 से 28 जून) के बीच होगी। हालांकि इसमें बोवनी ना करें। दूसरी बोवनी आषाढ़ की पूर्णिमा से सातम (3 से 9 जुलाई) के बीच होगी। इसमें बोवनी करें। जहां सूखा रह जाएगा, वहां आखिरी बोवनी (अच्छी बारिश) उतरते प्रथम सावन की एकम से नवमी तक (18 से 28 जुलाई) के बीच होगी।

दो सावन है। मूसलधार बारिश दूसरे सावन (अगस्त) व भादवा में होगी। माघ माह के शुरुआत, आधे व आखिर में तीन बार पाला (21 जनवरी से 19 फरवरी 24 कड़ाके की ठंड) गिरेगा।

मौसम की ये भविष्यवाणी किसी मौसम वैज्ञानिक ने नहीं बल्कि रतलाम-उज्जैन जिले की आखिरी सीमा पर बसे गांव गोठड़ा में विराजित श्री महिषासुर मर्दनी माता के ईष्ट पंडा नागूलाल चौधरी ने 30 मार्च गुरुवार को दोपहर 2 बजे की। चैत्र नवरात्रि की नवमी पर पहले मंदिर में पंडित कपिल पौराणिक के सान्निध्य में यज्ञ हुआ।

महाआरती के बाद ज्वारा विसर्जन का चल समारोह निकला। ये गांव के समीप मलेनी नदी के तट पर पहुंचा। जहां चबूतरे से माताजी के ईष्ट पंडा ने मौसम के साथ ही सालभर के विभिन्न संभावित घटनाक्रम की भविष्यवाणी की। बता दें कि यहां करीब 108 सालों से यह सिलसिला जारी है। सिर्फ कोरोनाकाल में एक साल 2020 में भविष्यवाणी नहीं हुई थी।

ज्यादातर बाते सटीक बैठने से गूगल-इंटरनेट के युग में भी हजारों की तादाद में लोग यहां भविष्यवाणी सुनने जुटते हैं। चूंकि मौसम बार-बार बदल रहा है। इसलिए इस बार इसी पर ज्यादा फोकस रहा। मप्र के अलावा राजस्थान, महाराष्ट्र से भी किसान वर्ग खेत हकाई का मुहूर्त जानने आए।

नदी में पानी होने से आधे-आधे लोग दोनों तरफ बैठे रहे। पिछले साल 40 डिग्री तापमान में गर्मी के बीच 20 हजार लोगों ने भविष्यवाणी सुनी थी। इस बार बादल मंडराने से तापमान 32 डिग्री ही रहा। इससे लोगों को थोड़ी राहत रही है।

मलेनी नदी के चबूतरे से हुई भविष्यवाणी की अन्य प्रमुख बातें...

खेत हकाई मुहूर्त :- तेरस सोमवार (3 अप्रैल) सुबह 3 से 6 के बीच। हाथ से करना है।

राजनीति :- राजा या सरकार बदलने के प्रश्न पर सिर्फ इतना कहा कि हेराफेरी होगी। (स्पष्ट रुप से किसी पार्टी या नेता की ओर संकेत नहीं किए।)

भाव-राव :- सोना-चांदी सामान्य, सभी फसलों के भाव ठीक रहेंगे। चना, गेहूं, मैथी, लहसुन, प्याज व आलू-टमाटर के भाव भी ठीक रहेंगे।

स्वास्थ्य :- वैशाख-आषाढ़ व अश्विन-कार्तिक (अप्रैल, जून, अक्टूबर, नवंबर) में लोग ज्यादा बीमार होंगे। ध्यान रखें।

अन्य बातें :- बीमारी व एक्सीडेंट से बचने के लिए महावीर का अभिषेक व हवन करें। गोरक्षा व सेवा के कार्य करें।

नीमच में पहली बार दो दिवसीय इंदौर प्रीमियम फैशन और लाइफ स्टाईल एग्जीबिशन शनिवार से

· नीमच

शहर में शनिवार से दो दिवसीय इंदौर प्रीमियम फैशन और लाइफ स्टाईल एग्जीबिशन का आयोजन किया जा रहा है। नीमच शहर में पहली बार आयोजित इस तरह की एग्जीबिशन में गर्मी और शादी में पहने जाने वाले कपड़ो आभूषणों की प्रदर्शनी लगाई गई है। शनिवार 1 अप्रैल से शुरू होने वाली यहा प्रदर्शनी 2 अप्रैल रविवार तक माहेश्वरी भवन नीमच में प्रातः 11.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलेगी। पूरे भारत के सभी नए विशिष्ट डिजाइनरों के साथ उनके सर्वश्रेष्ठ संग्रह के साथ आपकी सभी खरीदारी आवश्यकताओं के लिए एक स्थान पर उपलब्ध रहेगी।

जिसमें एथनिक वियर, बच्चों के कपड़े, डिजाइनर वियर,आभूषण, अंगरखा, गाउन, जूते,नाइटवियर,शादी के लहंगे, फेस्टिव वियर, पर्स, एसेसिरिज,खिलौने और स्टेशनरी, सॉफ्ट फर्निशिंग, लाइफ स्टाईल प्रोडक्ट, होम डेकोर हस्तशिल्प और भी बहुत कुछ सभी एक ही छत के नीचे एक ही एग्जीबिशन में उपलब्ध होंगे।

अध्यक्ष गोपाल चारण को 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा

· जावद

जनपद अध्यक्ष ने भवन निर्माण की राशि स्वीकृत करने के बदले मांगी रिश्वत, लोकायुक्त ने 50 हजार की रिश्वत लेते हुए पकड़ा।

नीमच। जावद जनपद पंचायत अध्यक्ष गोपाल चारण को 50 हजार की रिश्वत लेते पकड़ा गया है।जानकारी के अनुसार आवेदक बलराम जाट पिता रामनारायण जाट निवासी ग्राम पंचायत खोर तहसील जावद जिला नीमच से ग्राम पंचायत खेड़ा राठौड़ में ई कक्ष भवन निर्माण की राशि 500000 स्वीकृत करने के लिए 10 परसेंट के हिसाब से 50000 रिश्वत मांगी गई थी। यह राशि लेते हुए जावद जनपद अध्यक्ष गोपाल चारण को गिरफ्तार कर लिया गया। लोकायुक्त निरीक्षक बसंत श्रीवास्तव और उनकी टीम ने यह कार्रवाई की।

बताया गया है कि नीमच जिले में पहली बार रिश्वत मामले में यह बड़ी कार्रवाई हुई है। कमीशन की राशि देने के लिए जैसे ही सरपंच बलराम जाट जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचे और जनपद अध्यक्ष को नोट दिए तभी लोकायुक्त टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

लोकायुक्त अधिकारियों के अनुसार इस मामले में 21 मार्च को पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त को शिकायत की गई थी। इसके बाद जनपद अध्यक्ष को पकड़ने की योजना बनाई गई। आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार अधिनियम के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध कर लिया गया है। अभी जनपद अध्यक्ष को नोटिस देकर छोड़ दिया जाएगा। इसके बाद अभियोग प्रस्तुत किया जाएगा, तब चारण को न्यायालय में जमानत करवानी होगी।

कालाकुंड की वादियों का सफर पर्यटन विभाग बनाएगा यादगार

दस करोड के होंगे काम

हरी-भरी वादिया, कलकल बहती नदी और हेरिटेज रेलवे ट्रक पर झुक झुक करती ट्रेन में कालाकुंड तक का सफर और यादगार बनने वाला है। पर्यटन विभाग यहां दस करोड़ रुपये के विकास कार्य कराएगा। इसके लिए केंद्र सरकार को योजना बनाकर भेजी गई है।

· इंदौर

महू बलवाड़ा की छोटी लाइन पर ओंकारेश्वर तक का सफर तो हमेशा के लिए बंद हो चुका है, लेकिन महू से कालाकुंड तक हेरिटेज ट्रेन इस १०० साल पुराने रेलवे ट्रेक पर दौड़ेगी। इसके लिए नए कोच भी आ चुके है।

पर्यटक कालाकुंड तो आते है, लेकिन यहां अभी ज्यादा सुविधाएं उन्हें नहीं मिलती। पर्यटन विभाग यहां आठ गजिबो,पानी से बचने के लिए आकर्षक शेड, फूड स्टॉल और ओपन थिएटर बनाएगा। इसके अलावा रेल विभाग की मदद से यहां हेरिटेज बोगी भी रखी जाएगी। फिलहाल एक फरवरी से इस ट्रेक पर ट्रेन का संचालन बंद है, लेकिन जून में फिर ट्रेन पर्यटकों को ले जाने के लिए तैयार होगी।

कालाकुंड में होम स्टे संचालित करने के लिए ग्रामीणों को भी ट्रेनिंग देने की योजना पर्यटन विभाग बना रहा है, हालांकि जंगली जानवरों के आने का खतरा भी यहां बना रहता है, इसलिए अभी यहां पर्यटकों को रुकवाने का जोखिम अफसर लेना नहीं चाहते है।

छह माह रहती है पर्यटकों भी ज्यादा भीड़

बारिश और ठंड के मौसम में कालाकुंड हिलस्टेशन जैसा लगता है। यहां चलने वाली हेरिटेज ट्रेन में हजारों यात्री सफर करते है। पर्यटन विभाग के अरिक्ति प्रबंध संचालक विवेक श्रौत्रिय ने बताया कि कालाकुंड के आसपास पर्यटन सुविधाएं जुटाई जा रही है। इसके अलावा अन्य तीन स्थानों पर भी पर्यटन विभाग काम करेगा। इनके लिए दस करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट बनाकर केंद्र सरकार को भेजा गया है।

बुलेट से निकली फट-फट की आवाज तो धर लेगी पुलिस

· इंदौर

मोटरसाइकिल चलाने का शौक रखिए, मगर सड़क पर ट्रैफिक नियमों का ख्याल रखना भी जरूरी है. खासकर पुरानी मॉडल की बाइक को मोडिफाई कराकर जोरदार आवाज वाली मोटरसाइकिल का शौक आपको पुलिस की नजरों में ला सकता है. यकीन न हो तो इंदौर की यह खबर देख लीजिए, जहां पुलिस ने फटफटिया मोटरसाइकिल चलाने वालों को पकड़ा और उनकी बाइक जब्त कर ली.

जी हां, इंदौर पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिये देश के सबसे स्वच्छ शहर में रहने वालों को आगाह किया है कि वे पटाखों की आवाज निकालने वाली बाइक न चलाएं. मोटरसाइकिल की साइलेंसर पाइप से निकलने वाली फट-फट की आवाज से ध्वनि प्रदूषण तो होता ही है, ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन में आप हवालात भी पहुंच सकते हैं. इंदौर पुलिस ने बीते दिनों ऐसी ही दो बाइक जब्त की, जिन्हें मोडिफाई कराया गया था. इन बाइकों के साइलेंसर से पटाखे जैसी आवाज आ रही थी. पुलिस ने माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के जरिये दो बुलेट बाइक की तस्वीर साझा की है. इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने इस ट्वीट में बताया है कि बीते दिनों राजेंद्रनगर थाने की पुलिस ने मोडिफाइड साइलेंसर से पटाखे जैसी आवाज निकालने वाली दो बुलेट जब्त की है. पुलिस ने ट्वीट में लिखा है, 'मोडीफाइड साइलेंसर से 'पटाख़े चलाने' की आवाज निकालने वाली बुलेट के विरुद्ध पुलिस थाना राजेन्द्र नगर ने की प्रतिबंधात्मक कार्यवाही. घटना में प्रयुक्त दो बुलेट वाहन भी किए ज़ब्त. इस तरह के वाहनों पर इंदौर पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी है.' युवाओं में पुरानी बाइक को मोडिफाई कराने का शौक नया नहीं है.

खासकर रॉयल एनफील्ड की बुलेट को मोडिफाई कराने का शौक तो देशभर में देखा जाता है. कई शहरों में तो बुलेट मोडिफाई करने वाले स्पेशियलिस्ट मैकेनिक तक होते हैं. इन मैकेनिकों के गैरेज में लंबे अर्से तक चली पुरानी बाइक को कुछ ऐसे संवारा जाता है, जिससे इसकी लुक बदल जाती है. पुरानी बाइक बिल्कुल नई, चकाचक मोटरसाइकिल के रूप में नजर आने लगती है.सालों पुरानी बाइक को नए तरीके से चमका कर, उसके साइलेंसर में कुछ ऐसा जुगाड़ किया जाता है, जिससे बुलेट की पारंपरिक आवाज (धक धक धक) बदल जाती है. ऐसी बुलेट की आवाज आपको मीलों दूर से सुनाई देने लगती है. युवाओं में फट-फट की आवाज निकालने वाली बुलेट का क्रेज जबर्दस्त है. इंदौर पुलिस ऐसी ही मोडिफाइड बाइक चलाने वालों पर नजर रख रही है. इसलिए अगर आप देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में हैं और आपके पास फटफटिया बुलेट है, तो पुलिस से बचकर रहिए.

मोदी ने मन की बात में किया अंगदान का जिक्र, इंदौर ने भी किया है नाम

· इंदौर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात में परिजनों के अंगदान करने वाले परिवार से बात कर इसके बाद में देश के लोगों को जागरुक किया। अंगदान को लेकर इंदौर शहर देश में अपना नाम कर चुका है। यहां पिछले सात वर्षों में 44 ब्रेनडेड लोगों के परिजनों ने अंगदान का फैसला लेकर कई लोगों की जान बचाई है।

इंदौर शहर में करीब 23 वर्ष पहले 22 अप्रैल 2000 को पहला अंगदान हुआ था, यहां विजय नगर निवासी बैंक अधिकारी ने अपने 14 साल के बेटे की मृत्यु के बाद अंगदान करने का फैसला लिया।इंदौर शहर में करीब सात वर्ष में 44 से अधिक ग्रीन कारिडोर के जरिए 16 दिल, 2 फेफड़े, 19 लिवर, 250 किडनी, 62 त्वचा और 1900 कार्निया ट्रांसप्लांट हुए हैं। अंगदान को लेकर इंदौर शहर से सीख लेकर अब बाकी शहरों में भी जागरुकता बढ़ने लगी है। शहर में अंगदान का सिलसिला 2015 में फिर शुरू हुआ, खरगोन जिले के निवासी रामेश्वर खेड़े को इंदौर में इलाज के दौरान ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया था।

ढाई सौ करोड़ के काम

पांच साल बाद लगने वाले सिंहस्थ के लिए इंदौर हो रहा है तैयार

वर्ष २०२८ में लगने वाले सिंहस्थ के लिए इंदौर में सुपर कारिडोर, इंदौर उज्जैन रोड़ के आसपास ऐसे काम शुरु कर हो गए है। जो पांच साल बाद मेले में शामिल यात्रियों के लिए सुविधाजनक होंगे। ज्यादातर काम इंदौर विकास प्राधिकरण कर रहा है।

· इंदौर

इंदौर-उज्जैन रोड़ के महत्वपूर्ण लवकुश चौराहे पर डबल डेकर फ्लायओवर बनाने के टेंडर भी शनिवार को खोले जा रहे है। इस ब्रिज के अलावा अंतरराज्यीय बस स्टैंड, एमआर-४ रोड़ को बनाने का काम भी जारी है। एमआर-१० ब्रिज के पास अंतरराज्यीय बस स्टैंड का काम ८० प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। अगले साल तक स्टैंड से बसों का संचालन शुरु हो जाएगा। वर्ष २०१६ के सिंहस्थ में लवकुश चौराहे पर अस्थाई बस स्टैंड बनाया गया था,लेकिन इस बार स्थाई बस स्टैंड बनकर तैयार हो रहा है।५० करोड़ की लागत से तैयार

हो रहे इस बस स्टैंड में राजस्थान, गुजरात की तरफ से आने वाली बसें रुकेगीं। १६० करोड़ रुपये की लागत से इंदौर-उज्जैन रोड पर डबल डेकर ब्रिज बन रहा है। इसकी एक भूजा सुपर कॉरिडोर से गांधी नगर की तरफ रहेगी। जबकि दूसरा ब्रिज दीपमाला ढाबे से उज्जैन की तरफ बनायाा जाएगा। इस ब्रिज की ऊंचाई भी शहर के अन्य ब्रिजों की तुलना में ज्यादा होगी। इसकी ऊंचाई ७५ फीट रहेगी। इस ब्रिज के बनने से सिंहस्थ में इंदौर से उज्जैन की तरफ जाने वाले ट्रैफिक को काफी आसानी होगी। २०१६ के सिंहस्थ के पहले इंदौर में स्वदेशी मिल रेलवे क्रासिंग से लक्ष्मी बाई रेलवे स्टेशन तक एमआर-४ सड़क ३० करोड़ की लागत से बनाई गई। अब लक्ष्मीबाई स्टेशन से नए बस स्टैंड तक सड़क बनाने की योजना पर काम हो रहा है। इसके अलावा एमआर-१२ मार्ग भी तैयार हो रहा है, जो सांवेर रोड से बायपास को सीधे जोड़ेगा।

इंदौर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने बताया कि इंदौर सांवेर रोड पर डबल डेकर ब्रिज बना रहा है। शनिवार को इसके टैंडर खोले जाएंगे। इसके अलावा एमआर-४ और एमआर-१२ का निर्माण भी करवा रहा है। एमआर-४ मार्ग में नगर निगम की मदद भी ली जा रही है। दो-तीन सालों में बस स्टैंड, ब्रिज और सड़कों के काम पूरे हो जाएंगे। जिसका उपयोग सिंहस्थ के समय ज्यादा होगा।

बहुत रोचक है भगवान भोलेनाथ के इन मंदिरों का इतिहास

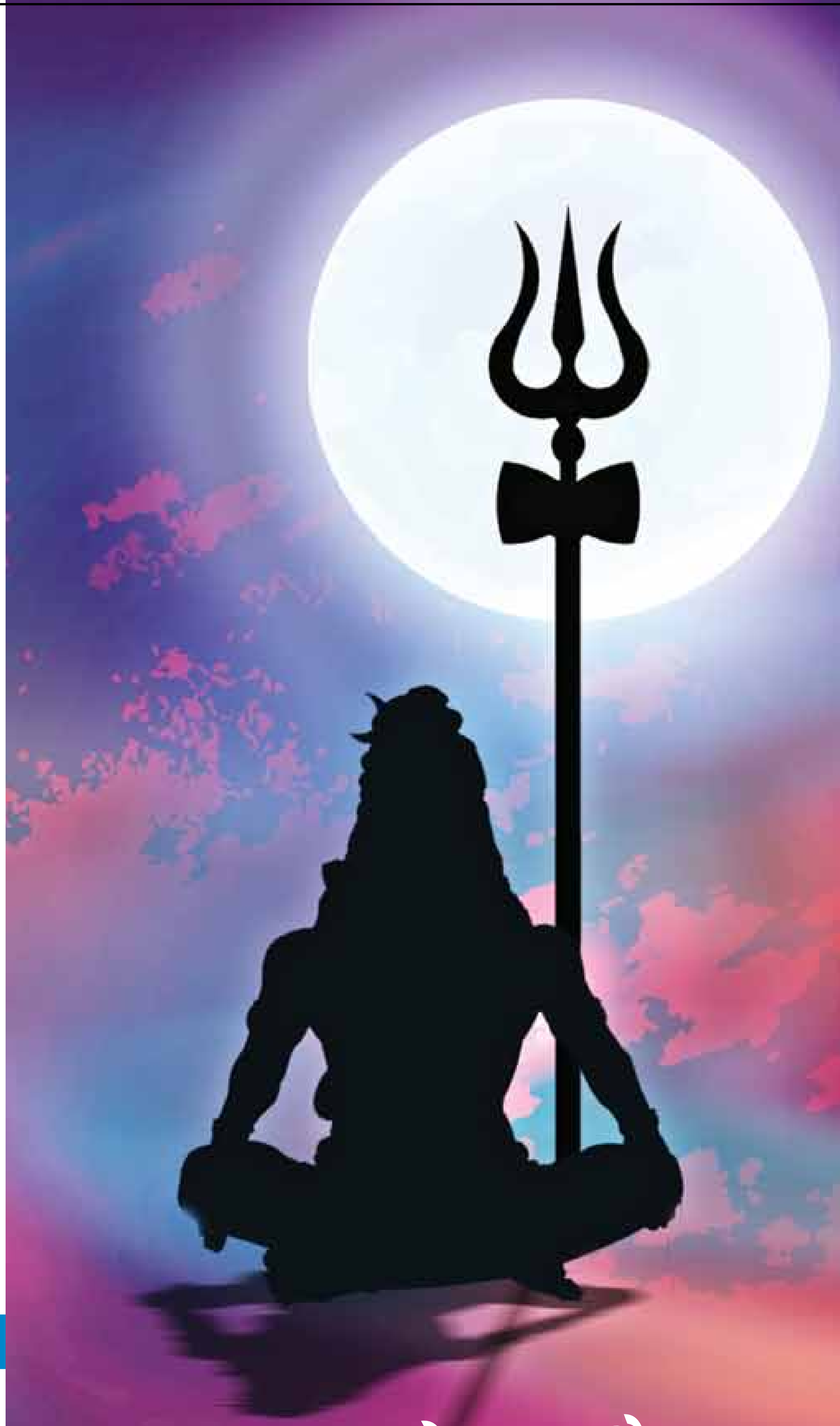

महाशिवरात्रि एक ऐसा त्योहार है जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि शिवरात्रि के दिन भोलेनाथ और माता पार्वती का विवाह हुआ था। जिसके चलते इस दिन हर शिवालयों और शिव मंदिरों में काफी धूमधाम होती है। लोग शिव मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए जाते हैं। वैसे तो भारत में कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, पर इनमें से कई ऐसे शिव मंदिर भी हैं, जिनकी महिमा देश-विदेश तक फैली हुई है।

इन मंदिरों में विदेशों से भी लोग पूजा करने आते हैं। इन मंदिरों का अपना अलग इतिहास है, जोकि भगवान शिव की महिमा का बखान करता है।

देश के कोने-कोने में स्थापित 12 ज्योतिर्लिंगों में साक्षात भगवान भोले नाथ का वास माना जाता है। इसके अलावा भी कई मंदिर ऐसे हैं जिसमें भगवान शिव के दर्शन करने लोग दूर-दूर से आते हैं। आज की खबर में हम भोलेनाथ के कुछ ऐसे ही मंदिरों के बारे में बताएंगे।

अमरनाथ

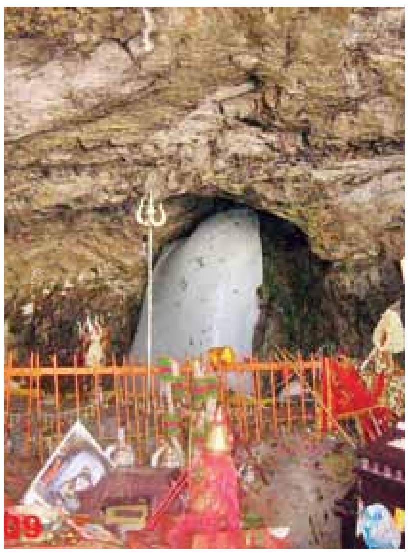

अमरनाथ की यात्रा पहलगाम मार्ग से होकर निकलती हैं। इस बेहद ही दुर्गम यात्रा को पूरा करने के बाद श्रद्धालु अमरनाथ मंदिर पहुंचते हैं। अगर बात करें इस मंदिर के चमत्कार की तो यहां बिना किसी मानवीय प्रयास के रहस्यमयी तरीके से पानी शिवलिंग का रुप लेता है। गुफा में ऊपर से पानी की बूंदे टपकती हैं, जिससे बर्फ का दस फिट का हिमलिंग बनता है। ऐसा भी कहा जाता है कि इसी गुफा में भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरता का रहस्य बताया था, जिसे एक कबूतर जोड़े ने सुन लिया था। आज भी वो कबूतर का जोड़ा वहां देखा जाता है।

देश-विदेश तक फैली है महिमा

केदारनाथ

उत्तराखंड के चार धामों में से एक केदारनाथ भी शामिल है। यहां की पैदल यात्रा गौरीकुंड से शुरु होती है। ऐसी मान्यता है कि, पूरे दिन में एक बार माता पार्वती अपने धाम गौरी कुंड से केदारनाथ के मंदिर में बाबा भोलेनाथ से मिलने जाती हैं। इसी दौरान कुछ समय के लिए पूरे रास्ते में धुआं-धुआं हो जाता है। 2013 की त्रासदी में यहां सब कुछ बाढ़ में डूब गया था। पर, सिर्फ भगवान शिव का मंदिर जस का तस रहा।

काशी विश्वनाथ

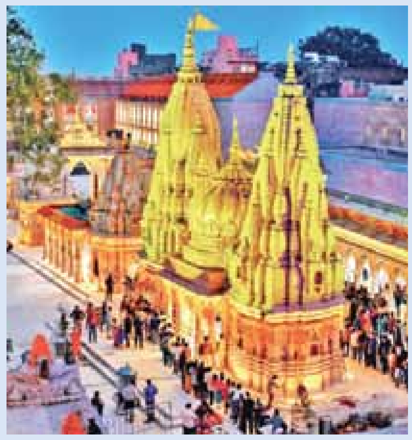

काशी विश्वनाथ का ये मंदिर यूपी के वाराणसी जिले में स्थित है। पूरी धरती पर वाराणसी को सबसे पवित्र धाम माना जाता है। मान्यता है कि रावण भोले बाबा को लेकर काशी पहुंचे थे। तभी से महादेव को यह जगह प्रिय हो गई। इसे भोलेनाथ की नगरी और मोक्ष नगरी भी कहा जाता है।

भूतेश्वर महादेव

छत्तीसगढ़ के रायपुर में मौजूद ये शिवलिंग जमीन से 85 फीट ऊंचा और 105 फीट का है। ये एक ऐसा शिवलिंग है, जिसे विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग कहा जाता है। इस शिवलिंग को भूतेश्वर महादेव कहा जाता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि, ये शिवलिंग धीरे धीरे जमीन से ऊपर आती जा रही है। जब गांव वालों को शिवलिंग मिली थीं, तो उन्हें उस जगह से सांड की हुंकार और शेर की दहाड़ने की आवाज आती थी। जब उन्होंने तलाश की तो लोगों को सांड या शेर तो नहीं मिला लेकिन शिवलिंग मिल गई जो जललहरी की तरह दिखती है। इस मंदिर में पूजा के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं।

विक्रमादित्य ने बंद कराई थी यहां नरबलि

उज्जैन में 'भूखी माता' को चढ़ती है मदिरा

मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर में शिप्रा नदी के किनारे भूखी माता का बहुत प्रसिद्ध मंदिर है। दरअसल, इस मंदिर मे दो देवियां विराजमान है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माना जाता है कि यह दोनों बहनें हैं। इनमें से एक को भूखी माता और दूसरी को धूमावती के नाम से जाना जाता है।

• भोपाल

इस मंदिर को भुवनेश्वरी भूखी माता मंदिर भी कहा जाता है। मान्यताओं के अनुसार, कहा जाता है कि आज भी उस मंदिर में पशु बलि देने की प्रथा सदियों से चली आ रही है। दरअसल, उज्जैन के इस मंदिर में आकर अपने हाथों से शाकाहारी भोजन बनाकर माता को भोग लगाने से देवी प्रसन्न होती है।

इस मंदिर में दो दीपस्तंभ भी हैं, जिन पर हर साल नवरात्र मे दीप प्रज्वलित किए जाते हैं। नवरात्र में अष्टमी की पूजा के बाद माता को मदिरा का भोग लगता है। कहते हैं भूखी माता को प्रतिदिन एक युवक की बलि दी जाती थी। एक बार दुखी मां राजा विक्रमादित्य के पास गई। उसके बेटे की बलि चढ़ाई जानी थी। तब विक्रमादित्य ने माता से नरबलि नहीं लेने का आग्रह किया।

यह भी कहा जाता है कि यदि देवी ने उनकी बात नहीं मानी तो वे खुद उनका आहार बनेंगे। बुढ़िया के जाने के बाद विक्रमादित्य ने कई तरह के पकवान बनवाने का आदेश दिया। इन पकवानों से पूरे शहर को सजा दिया गया। एक तख्त पर मिठाइयों के साथ मिठाइयों से बना एक मानव पुतला लिटा दिया। विक्रमादित्य खुद उसके नीचे छिप गए। रात को सभी देवियों ने पकवानों का स्वाद लिया। जब जा रही थी, तब एक देवी ने जानना चाहा कि आखिर तख्त पर क्या रखा है। देवी ने वहां रखे पुतले को खा लिया। देवी खुश हो गई।

इतने में विक्रमादित्य आए और हाथ जोड़कर बताया कि उन्होंने ही इसे रखवाया है। देवी ने वरदान मांगने को कहा। तब विक्रमादित्य ने कहा कि कृपा कर आप नदी के उस पार विराजमान रहें। देवी ने कहा कि तुम्हारे वचन का पालन होगा। उस देवी का नाम भूखी माता रख दिया गया। इसके बाद विक्रमादित्य ने नदी के उस पार मंदिर बनवाया। इसके बाद देवी ने कभी नरबलि नहीं ली।

अब पशुओं की दी जाती है बलि

धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, मंदिर में अब इंसान की बलि नहीं दी जाती है। पशुओं की बलि दी जाती है। ऐसे में ग्रामीण इलाकों के लोग अपनी मन्नत पूरी होने पर यहां आकर बलि प्रथा का निर्वाहन करते हैं। कई लोग पशु क्रूरता अधिनियम के तहत बलि नहीं देते और पशुओं का अंग-भंग कर मंदिर में ही छोड़ देते हैं।

राजस्व निरीक्षकों को तहसीलदार बनाया

एक दर्जन तहसीलदार बने डिप्टी कलेक्टर

• इंदौर

वर्षों से प्रमोशन की बाट जोह रहे तहसीलदार व एसएलआर को सरकार ने डिप्टी कलेक्टर बनाने का आदेश जारी कर दिया। इंदौर में पदस्थ एक दर्जन तहसीलदारों को इसका फायदा मिल गया। हालांकि राजस्व विभाग ने उनका तबादला पहले अन्य जिलों में किया तो बाद में सामान्य प्रशासन विभाग ने ये आदेश जारी किया। इधर, राजस्व निरीक्षकों को भी नायब तहसीलदार व एएसएलआर बना दिया गया।

पुलिस और प्रशासन में प्रमोशन की गति में बहुत बड़ा अंतर है। यही वजह है कि तहसीलदार वर्षों से तहसीलदार ही हैं, लेकिन उनके साथ रहे थाना प्रभारी अब एएसपी स्तर पर पहुंच गए हैं। इसको लेकर कई बार वे सरकार के सामने अपनी पीड़ा व्यक्त कर चुके हैं, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल पा रहा था। उसकी एक वजह कोर्ट में चल रहे प्रकरण भी हैं। इनको देखते हुए सरकार ने प्रमोशन की एक नई गली निकाली जिसके चलते कल आदेश जारी कर दिया गया। पहले तहसीलदार व एसएलआरओ का पूरे प्रदेश में तबादले किए गए। ये भी कहा जा सकता है कि उन्हें पदस्थ करना था वहां पहले भेज दिया गया। ये आदेश राजस्व विभाग ने जारी किया। बाद में सामान्य प्रशासन विभाग ने अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक सभी को डिप्टी कलेक्टर का प्रभार सौंप दिया है। इस आदेश का सबसे ज्यादा असर इंदौर को हुआ। जहां पर १२ तहसीलदारों को अन्य जिलों में भेजकर डिप्टी कलेक्टर बनाया गया। उसके अलावा अन्य जिलों से सात डिप्टी कलेक्टर इंदौर भेजे गए। उसमें से पांच जिला प्रशासन के खाते में आएंगे तो दो को अलग-अलग विभाग में भेजा गया।

इधर, राजस्व निरीक्षकों का भी प्रमोशन करके नायब तहसीलदार या एएसएलआर बनाया गया। बड़ी संख्या में उनके भी तबादले किए गए।इंदौर में वर्षों से राजस्व निरीक्षकों को नायब तहसीलदार बना दिया गया। सभी को अलग-अलग जिलों में भेजा गया। राहुल गायकवाड़ (धार), प्रदीप सिंगलू (खरगोन), पंकज यादव (धार), मनीष बिरथरे (देवास), राकेश पगारे (देवास), योगेंद्रसिंह मौर्य (देवास), रवींद्रसिंह मंडलोई (बुरहानपुर), अभय भटोरे (खंडवा), महेंद्रसिंह चौहान (धार), सुधीर शर्मा (बड़वानी), कमलराय सुनहरे (मंदसौर) और प्रकाश शर्मा को इंदौर से आरआई ट्रेनिंग स्कूल प्राचार्य बनाया गया।

इंदौर से हुए रवाना : ममता पटेल (खंडवा), अनिल जैन (खरगोन), बजरंग बहादुर सिंह (खंडवा), भास्कर गाचले (खरगोन), हरिशंकर विश्वकर्मा (झाबुआ), सरोज सिंह परिहार (बुरहानपुर), धीरेंद्र पाराशर (उज्जैन), ब्रह्मस्वरूप श्रीवास्तव (श्योपुर), अभिषेक शर्मा (देवास), मोहम्मद सिराज (उज्जैन), आनंद मालवीय (देवास) और पल्लवी पुराणिक (बुरहानपुर)।

ये आए : प्रियंका चौरसिया, सीमा कनेश, अजय भूषण शुक्ला, निधि वर्मा, विनोद राठौर, चंद्रसिंह धार्वे को जिला प्रशासन भेजा गया। सुदीप कुमार मीना को संपदा अधिकारी आइडीए व पूर्णिमा सिंघी प्रभारी उपसंचालक नर्मदा घाटी विकास बनाया गया।

भोपाल पहुंचे राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, बोले-

'अबकी बार 200 पार'

• भोपाल

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को को भोपाल पहुंचे। नड्डा ने स्वागत समारोह में कहा कि जिस तरह से यहां मेरा स्वागत हुआ, उत्साह देखा, यह उत्साह आने वाले समय का संदेश दे रहा है। इस उत्साह को लक्ष्य में बदलकर इस बार 200 पार करना है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रदेश सरकार की लाडली बहना योजना को क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने कहा कि बहनों के स्वाभिमान की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगी। ये बताता है की समाज के सशक्तिकरण के लिए हमारे कार्यक्रम किस तरह लक्षित होते हैं। हम सभी वर्ग, सभी समाज को समानता के साथ आगे लेकर बढ़ रहे हैं। गांव, गरीब, वंचितों के साथ प्रदेश की बहनों के सशक्तिकरण के लिए शिवराज जी लाड़ली बहना योजना लेकर आये हैं। मैं उन्हें और प्रदेश वासियों को बधाई देता हूं। उन्होंने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की जमकर तारीफ की। जेपी नड्डा भोपाल में चार कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

नड्डा ने भोपाल पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम सुना। नड्डा दोपहर में प्रदेश भाजपा कार्यालय का भूमिपूजन करेंगे। इसके बाद संभागीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को लाल परेड ग्राउंड में संबोधित करेंगे। शाम को कुशाभाऊ ठाकर कन्वेंशन सेंटर में प्रबुद्धजनों से चर्चा करेंगे। शाम को बीजेपी कोर कमेटी की बैठक में को भाजपा कार्यालय में संबोधित करेंगे।

गोल इन साड़ी: महिलाओं का अनोखा फुटबॉल मैच

रंग-बिरंगी साड़ियां पहनकर किक मारते नजर आईं 'वुमनिया'

• ग्वालियर

अक्सर आपने पुरुषों को फुटबॉल खेलते हुए देखा होगा, लेकिन इस समय साड़ी पहनते हुए महिलाओं के द्वारा फुटबॉल खेलने का वीडियो काफी सुर्खियों में है। बता दें, यह वीडियो ग्वालियर का है, जिसमें महिलाएं साड़ी पहनकर फुटबॉल खेलते हुए नजर आ रही हैं। ग्वालियर में महिलाओं की अनोखी फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू हुई, जिसका नाम 'गोल इन साड़ी' दिया गया। उसके बाद इस प्रतियोगिता में महिलाएं साड़ी पहनकर मैदान में उतरी और जमकर फुटबॉल खेला।

ग्वालियर के एमएलबी ग्राउंड में महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और इस प्रतियोगिता का नाम 'गोल इन साड़ी' रखा गया। यह आयोजन दो दिनों तक चलेगा और शहर की लगभग आठ से अधिक महिला टीमें इस प्रतियोगिता में भाग लेंगी। प्रतियोगिता के पहले दिन पिंक ब्लू और ऑरेंज महिला टीम के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें पिंक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला मैच जीता।इस प्रतियोगिता में रंग-बिरंगी साड़ियां पहनकर महिलाएं फुटबॉल खेलती हुई नजर आई।

साथ ही कुछ महिलाएं फुटबॉल में शानदार किक मारती हुई नजर आईं, जिससे इस मैच में काफी रोमांच बढ़ गया। खास बात यह है कि महिलाओं के इस फुटबॉल मैच में 25 साल से लेकर 50 साल तक की महिलाएं फुटबॉल को किक मारते हुए नजर आईं। इस प्रतियोगिता को देखकर हर कोई आश्चर्य चकित था और ऐसा लग रहा था कि महिलाएं सिर्फ किचन तक ही सीमित नहीं है बल्कि मैदान में भी अपना रुतबा कायम रखे हुए हैं।

नारी, साड़ी में भी है भारी...

इस आयोजन को कराने वाली संयोजक अंजलि बत्रा का कहना है कि महिलाएं ही इस टूर्नामेंट की जिम्मेदारी संभाल रही है, इसमें पिंक ब्लू और ऑरेंज टीमें हिस्सा लेंगी। वहीं, पहला मैच जीती पिंक पैंथर टीम के खिलाड़ियों का कहना है कि इस मैच में उन्होंने जीत दर्ज की है और उन्होंने मैदान पर साड़ी में दमदार गोल कर यह साबित कर दिया है कि "नारी साड़ी में भी भारी" है वहीं दूसरे मैच में ब्लू क्वीन टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

संपादकीय

क्या राहुल दादी इंदिराजी के कदम पर चलेंगे...

राहुल गांधी की दादी इंदिरा गांधी ने अपनी हार का इस्तेमाल अपने लिए उन्माद और सहानुभूति जगाने के लिए किया था। उनकी मां सोनिया गांधी ने भी मुकाबला किया था जब उन्हें लाभ के पद को लेकर अपने सांसद पद से इस्तीफा देना पड़ा था, लेकिन वह दूसरी बार जीतकर सांसद बन गईं थीं। लेकिन राहुल गांधी के लिए लड़ाई कठिन और लंबी है। अगर उनकी सजा पर रोक नहीं लगी तो वे कानून के मुताबिक 6 सालों तक चुनाव नहीं लड़ सकते।

इधर, राहुल गांधी ने खुद इशारा भी किया है। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा कि मेरा धर्म सत्य और अहिंसा पर आधारित है। सत्य मेरा भगवान है, अहिंसा इसे पाने का साधन है। ऐसी संभावना है कि राहुल गांधी और कांग्रेस इसे सत्य और सत्ता के खिलाफ खड़े होने की 'यात्रा' बना देंगे। जैसा कि प्रियंका वाड्रा ने भी फैसले के तुरंत बाद ट्वीट किया- 'मेरा भाई कभी डरा नहीं है और न कभी डरेगा।' राहुल गांधी की छवि में एक और बदलाव के रूप में कांग्रेस और उनके प्रबंधक अब उन्हें ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करेंगे जो महात्मा गांधी को पसंद करते हैं और सत्ता के सामने खड़े होने का साहस रखते हैं।

कांग्रेस इस संभावना के लिए भी तैयारी कर रही है कि वह लंबे समय तक के लिए अयोग्य हो सकते हैं और चुनाव नहीं लड़ सकते। हालांकि, कांग्रेस उन्हें एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश करना चाहती है जो मायने रखेगा और शक्तिशाली होगा भले ही वह सांसद न हो। एक वरिष्ठ नेता ने मीडिया को बताया कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि राहुल गांधी सांसद हैं या नहीं या चुनाव नहीं लड़ सकते। उनके शब्दों, उनकी लड़ाई का इस्तेमाल हम सभी राज्यों के चुनावों और 2024 के चुनावों में करेंगे। अपनी चुनावी रणनीति के तौर पर पीएम नरेंद्र मोदी पर हमला करने पर कोई पुनर्विचार नहीं होगा। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी चुनावी एजेंडे पर और भी आक्रामक होंगे।

नवरात्रि के दो दिन अष्टमी और नवमी सबसे खास

चैत्र नवरात्रि से ही हिंदू नववर्ष की शुरुआत हुई है। पूरे देश में नवरात्रि का त्योहार बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्रि के दो सबसे खास दिन होते हैं अष्टमी और नवमी। अष्टमी और नवमी के दिन लोग व्रत का पारण करते हैं और अपने घरों में कन्या पूजन भी करते हैं। कन्याओं को मां दुर्गा स्वरुप माना जाता है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, 10 साल से कम उम्र की कन्याएं साक्षात देवी का रुप होती हैं, इसलिए नवरात्रि के दौरान इनकी पूजा की जाती है। ऐसा करने से देवी की कृपा हम पर बनी रहती है। कन्या पूजा को कंजक पूजा भी कहा जाता है। चूंकि छोटी कन्याएं का मन एकदम शुद्ध होता है और किसी प्रकार की दुर्भावना उनके मन में नहीं होती, इसलिए नवरात्रि के दौरान देवी दुर्गा के रूप में इनकी पूजा की जाती है।

महाअष्टमी कन्या पूजन का शुभ मुहूर्त

शोभन योग आरंभ : 28 मार्च रात्रि 11: 36 मिनट पर
शोभन योग समाप्त : 29 मार्च दोपहर12: 13 मिनट तक यदि आप महाष्टमी पर कन्या पूजन करते हैं तो 29 मार्च को 12:13 मिनट तक आप कभी भी कन्या पूजन कर सकते हैं। इस मुहूर्त में कन्या पूजन फलदायी होता है।
ब्रह्म मुहूर्त : प्रातः 04:42 मिनट से 05: 29 मिनट तक
ब्रह्म मुहूर्तमें मां दुर्गा को प्रसन्न करने के लिए ॐ ऐं हीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे बीज मंत्र का जाप करें।

महानवमी कन्या पूजन शुभ मुहूर्त
सर्वार्थ सिद्धि योग : 30 मार्च, प्रातः 06:14 से 31 मार्च, प्रातः 06:12 मिनट तक
ब्रह्म मुहूर्त : प्रातः 04: 41 मिनट से प्रातः 05: 28 मिनट तक। इस समय या देवी सर्वभूतेषु लक्ष्मीरुपेण संस्तिथा, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः. मंत्र का जाप करें।
महानवमी के दिन अभिजीत मुहूर्त : प्रातः 11: 45 मिनट से दोपहर 12: 30 मिनट तक। सर्वार्थ सिद्धि योग में किए गए सभी कार्य सिद्ध होते हैं। इस दिन बृहस्पतिवार होने के साथ सुबह से पुनर्वसु नक्षत्र रात्रि 10: 58 मिनट तक रहेगा। ये योग कन्या पूजन के लिए अतिशुभ माना जाता है।

कन्या पूजन विधि

महाष्टमी और राम नवमी, जिस दिन भी आप कन्या पूजन करना चाहते हैं सर्वप्रथम मां दुर्गा की आरधना करें। अब इसके बाद कन्याओं को बुलाएं और आसन पर उन्हें बिठाएं। अब स्वच्छ जल से कन्याओं के पैर दुलाएं और फिर अक्षत और पुष्प से उनकी [उज करें। इसके बाद कन्याओं को हलवा, चना और पूड़ी का भोग लगाएं। कन्याओं को भोग लगाने के बाद उन्हें दक्षिणा दें और उनके पैर छूकर आशीर्वाद लें। अब प्रसाद खाकर व्रत का पारण करना चाहिए।

कन्याओं के पूजन से दूर होती हैं व्याधियां... दो वर्ष की कन्या-पूजन करने से घर में दु:ख दरिद्रता दूर होती है। घर में सुख और समृद्धि आती है.

तीन वर्ष की कन्या- त्रिमूर्ति होती हैं, त्रिमूर्ति के पूजन से घर में धन के साथ पारिवारिक समृद्धि बढ़ती है। 3 वर्ष की कन्या का पूजन करने से घर में शांति रहती है. साथ ही धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की प्राप्ति होती है.

चार वर्ष की कन्या- कल्याणी माना जाता है, पूजा से परिवार का कल्याण होता है। 4 वर्ष की कन्या का पूजन करने से बुद्धि बढ़ती है. ज्ञान बढ़ता है और राजाओं जैसा सुख मिलता है.

पांच वर्ष की कन्या- रोहिणी होती हैं, रोहिणी का पूजन गंभीर रोगों से मुक्ति दिलाता है, साथ ही सुख-समृद्धि मिलती है।

छह वर्ष की कन्या-काली का रुप माना गया है। काली के रुप में विजय विद्या और राजयोग मिलता है। नवरात्रि में 6 साल की कन्याओं का पूजन करने से शत्रु पर विजय मिलती है और शक्ति मिलती है.

सात वर्ष की कन्या- चंडिका होती हैं, चंडिका रुप को पूजने से धन और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

आठ वर्ष की कन्या-शांभवी कहलाती हैं, इनके पूजन से सारे विवाद पर विजय मिलती है। कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिलती है.

9 वर्ष की कन्या- दुर्गा का रुप होती हैं। इनका पूजन करने से शत्रुओं का नाश होता है, कष्टों से राहत मिलती है, बुराइयां दूर होती हैं।

10 वर्ष की कन्या- सुभद्रा कहलाती हैं। सुभद्रा अपने भक्तों के सारे मनोरथ पूर्ण करती हैं। 10 साल की कन्या का पूजन करने से बिगड़े काम बनने लगते हैं।

साप्ताहिक राशिफल (सोमवार | 29 मार्च से 04 अप्रैल 2023)

मेष

आपके और स्वजन के स्वास्थ्य से लेकर रिश्तों में सुधार देखने को मिलेगा। युवक-युवतियों के विवाह की बात बनने वाली है। लंबे समय से अटके कार्यों को गति देने के प्रयास करें।

वृष

भौतिक सुख-सुविधाएं प्रदान करने वाला रहेगा। कहीं से अचानक धन का आगमन होगा। पुराना फंसा हुआ पैसा लौट आएगा। संतान पक्ष के कार्य उत्तम तरीके से संपन्न होंगे।

मिथुन
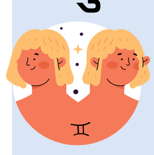

घर-परिवार में मांगलिक प्रसंग आएंगे। नया व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए समय उत्तम है। पुराने कार्यों में विस्तार का सही समय है। साझेदारी में किए गए कार्यों से लाभ प्राप्त होगा।

कर्क

करिअर-कारोबार की दिशा में प्रयासों में सफलता मिलेगी। जो जातक लंबे समय से रोजी-रोजगार के लिए भटक रहे थे, उन्हें इस दिशा में बड़ी सफलता हाथ लगेगी।

सिंह

नौकरीपेशा लोगों को कार्य के सिलसिले में यात्राएं करनी पड़ेंगी। कार्य में परिवर्तन करने का भी समय है। जिनके पास अब तक कोई नौकरी नहीं है उन्हें ऑफर आ सकता है।

कन्या

यह सप्ताह उलझनों से भरा रह सकता है। कार्य अटकने से मन में खिन्नता रहेगी। शारीरिक रूप से भी थोड़ा नरम-गरम रह सकते हैं। विद्यार्थियों के लिए समय अधिक मेहनत का रहेगा।

तुला

यह सप्ताह भागदौड़ वाला रहेगा। अपने काम और निजी जीवन में तालमेल बैठाना मुश्किल होगा। इस कारण कुछ लोग नाराज भी हो सकते हैं। दांपत्य जीवन में परेशानियां बढ़ने वाली हैं।

वृश्चिक

व्यावसायिक और निजी जीवन में आपको सभी के साथ तालमेल बनाकर चलना होगा। किसी को बुरा-भला या किसी के बारे में अपशब्द कहेंगे तो मुसीबत में खुद ही फंस जाएंगे।

धनु
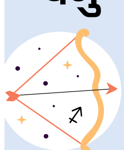

पारिवारिक जीवन में यदि किसी प्रकार का विवाद चल रहा है तो उसका निपटारा होगा। खासकर भाई-बहनों से संबंधों में सुधार आएगा। दूसरों की मदद करने के लिए आप तत्पर रहेंगे।

मकर

इस सप्ताह काम की भागदौड़ अधिक रहने वाली है। इसका विपरीत असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लंबे समय से अटके हुए कार्यों को पूरा करने का प्रयास करें, सफलता मिलेगी।

कुंभ

यह सप्ताह आपके लिए अति उत्तम और शुभ साबित होने वाला है। जिस काम में हाथ डालेंगे उसे पूरा करेंगे और उससे लाभ अर्जित कर पाएंगे। भूमि, भवन, संपत्ति खरीदने के योग बनेंगे।

मीन

पुराने बिगड़े हुए रिश्तों में सुधार आएगा और कुछ नए रिश्ते भी बनेंगे। परिवार में माता-पिता, भाई-बहन, संतान, जीवनसाथी के साथ किसी खास मुद्दे पर चर्चा होगी।

अप्रैल महीने में कुल 15 दिन बंद रहेंगे बैंक...

बैंक कर्मचारियों के लिए मार्च का महीना काफी बिजी रहने वाला है। यह वित्त वर्ष 2022-23 का आखिरी महीना है। अकाउंट क्लोजिंग के चलते इस महीने काफी काम रहता है। कुछ बैंकों में तो कर्मचारी साप्ताहिक अवकाश के दिन भी काम करते हैं।

अगर हम आने वाले महीने अप्रैल की बात करें, तो इसमें कर्मचारियों को कई छुट्टियां मिलने वाली हैं। ग्राहकों के नजरिए से देखें, तो उन्हें इन छुट्टियों के बारे में जरूर पता होना चाहिए, जिससे असुविधा से बचा जा सके। वैसे तो आज के समय में बैंक से जुड़े अधिकतर काम ऑनलाइन हो जाते हैं। लेकिन फिर भी कुछ कार्यों के लिए बैंक ब्रांच जाना पड़ जाता है। अप्रैल महीने में 15 दिन बैंकों में अलग-अलग जोन में छुट्टी रहेगी। अप्रैल में दो लॉन्ग वीकेंड भी हैं। ये 14, 15, 16 अप्रैल और 21, 22, 23 अप्रैल को हैं।

इन तारीखों को बंद रहेंगे बैंक

1 अप्रैल 2023 : बैंक अकाउंट क्लोजिंग के चलते इस दिन बैंकों में छुट्टी रहेगी।
2 अप्रैल 2023 : इस दिन रविवार के चलते बैंकों का साप्ताहिक अवकाश होगा।
4 अप्रैल 2023 : इस दिन महावीर जयंती के चलते अहमदाबाद, आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, चंडीगढ़, चेन्नई, जयपुर, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, रायपुर और रांची जोन में बैंकों की छुट्टी रहेगी।
5 अप्रैल 2023 : इस दिन बाबू जगजीवन रान का जन्मदिन है। इस दिन तेलंगाना जोन में बैंकों की छुट्टी रहेगी।
7 अप्रैल 2023 : गुड फ्राइडे के चलते आइजोल, बेलापुर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, देहरादून, गंगटोक, हैदराबाद, तेलंगाना, इंफाल, कानपुर, कोची, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पणजी, पटना, रायपुर, रांची, शिलांग और केरल जोन में बैंकों की छुट्टी रहेगी।
8 अप्रैल 2023 : इस दिन दूसरे शनिवार के चलते बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा।
9 अप्रैल 2023 : इस दिन रविवार के चलते बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा।
14 अप्रैल 2023 : अंबेडकर जयंती के चलते अगरतला, अहमदाबाद, बेलापुर, बेंगलुरु, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, देहरादून, गंगटोक, गुवाहाटी, हैदराबाद, तेलंगाना, इंफाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोच्ची, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, पणजी, पटना, रांची, श्रीनगर और केरल में बैंकों की छुट्टी रहेगी।
15 अप्रैल 2023 : इस दिन बोहाग बिहू के चलते अगरतला, गुवाहाटी, कोच्ची, कोलकाता, शिमला और केरल जोन में बैंकों की छुट्टी रहेगी।
16 अप्रैल 2023 : इस दिन रविवार के चलते बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा।
18 अप्रैल 2023 : इस दिन शब ए कद्र के चलते जम्मू और श्रीनगर जोन में बैंक बंद रहेंगे।
21 अप्रैल 2023 : इस दिन ईद के चलते अगरतला, जम्मू, कोच्ची, श्रीनगर और केरल में बैंक बंद रहेंगे।
22 अप्रैल 2023 : इस दिन चौथा शनिवार होने से बैंक बंद रहेंगे।
23 अप्रैल 2023 : इस दिन रविवार होने से बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा।
30 अप्रैल 2023 : इस दिन रविवार होने से बैंकों का साप्ताहिक अवकाश रहेगा।

चार्टर्ड अकाउंटेंट की तैयारी करते-करते बन गया क्रिकेटर

अब 8 करोड़ का ये खिलाड़ी केकेआर के लिए मचाएगा धमाल

• इंदौर

जल्द ही आईपीएल 2023 का आगाज होने वाला है। जिसका सभी को बेसब्री से इंतजार है। आईपीएल 2023 में इंदौर के रहने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के दमदार खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर अपनी बल्लेबाजी का जलवा बिखेरते हुए नजर आएगे। वेंकटेश इस बार भी केकेआर की तरफ से खेलेंगे। केकेआर की टीम ने उन्हें 8 करोड़ रुपये की अच्छी-खासी रकम में अपनी टीम मे शामिल किया है। पिछले सीजन में भी वेंकटेश केकेआर की तरफ से खेले थे। इस बार भी केकेआर ने वेंकटेश पर भरोसा जताते हुए इन्हें अपनी टीम में 8 करोड़ की कीमत के साथ वापस से बनाए रखा है।

वेंकटेश अय्यर आज भारत के उभरते हुए क्रिकेट खिलाड़ी हैं। जिन्होंने कम समय में ही लोगों के दिलों में अपनी पहचान बना ली है। वेंकटेश अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन करने के चलते भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किया गया था। अय्यर उन चुनिंदा क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक हैं, जो कि क्रिकेट के शुरुआती मैचों में चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी और आकर्षित करने में कामयाब हुए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने से पहले वेंकटेश अय्यर मध्य प्रदेश के एक ऑल-अराउंड क्रिकेटर रहे हैं। उनका जन्म इंदौर, मध्य प्रदेश में हुआ था और इन्होंने अपनी पढ़ाई भी यहीं से की है। उन्होंने प्रबंधन अध्ययन संस्थान, डीएवी इंदौर से स्नातक किया था।अय्यर के पास बीकॉम की डिग्री है इसके अलावा उन्होंने सीए की तैयारी भी की थी। लेकिन बाद में उन्होंने क्रिकेट के प्यार के लिए पढ़ाई छोड़ दी।

2 साल पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की शुरुआत

वेंकटेश अय्यर ने अपने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर की शुरुआत 17 नवंबर 2021 को न्यूजीलैंड के खिलाफ सवाई मानसिंह स्टेडियम में की थी। जबकि उन्होंने अपने आईपीएल करियर की शुरुआत 20 सितंबर 2021 कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ खेलते हुए आरसीबी के खिलाफ की थी। उन्होंने अपने पहले ही आईपीएल मैच में 27 गेदों में 41 रन बनाए थे।

आदित्य रॉय कपूर के साथ अनन्या की शादी तय

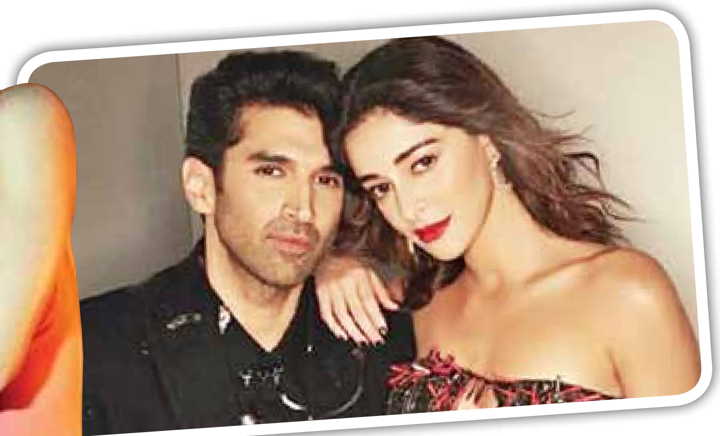

घरवालों से हरी झंडी मिली लेकिन फंसा है एक पेंज

लव बर्ड्स आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे जल्द शादी के बंधन में बंधने वाले है और दोनों के घरवालें भी इसके लिए राजी हैं। बी- टाउन के गलियारों में इन दिनों अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर के अफेयर्स के चर्चे जमकर हो रहे हैं। दोनों को कई बार साथ में स्पॉट भी किया गया।

बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट की मानें तो आदित्य-अनन्या दोनों से एक-दूसरे के बेहद करीब और प्यार में डेबू हुए हैं। कहा जा रहा है कि दोनों के घरवालों ने इनके रिश्ते को लेकर हरी झंडी भी दे दी है।

रिपोर्ट्स की मानें तो अनन्या-आदित्य दोनों ही अपने रिश्ते को नेक्स्ट लेवल पर ले जाना चाहते हैं। हालांकि, वह जल्दबाजी करने के मूड में नहीं है। शादी को लेकर दोनों अभी डिसीजन लेंगे। बॉलीवुड से जुड़े एक सूत्र का कहना है कि दोनों शादी करेंगे लेकिन अभी शहनाईयां बजने में वक्त है। फिलहाल दोनों ही अपने काम पर फोकस किए हुए हैं।

बात अनन्या पांडे के बॉलीवुड करियर की करें तो उन्होंने स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अपना डेब्यू किया था। हालांकि, उनकी डेब्यू फिल्म सुपरफ्लॉप रही। उन्होंने अभी तक एक भी हिट फिल्म नहीं है। उनकी अपकमिंग फिल्म ड्रीम गर्ल 2 है। वहीं, बात आदित्य रॉय कपूर की करें तो उनका करियर भी अनन्या पांडे के करियर की तरह फ्लॉप ही रहा है। उन्होंने अपने दम पर अभी तक कोई हिट फिल्म नहीं दी है।

बहुचर्चित सहकारी बैंक ऋण घोटाला

तत्कालीन मैनेजर और वेयरहाउस संचालक समेत 7 आरोपियों को 4 साल की कैद हुई

नीमच, गरुड़ एक्सप्रेस। करीब 8 साल पहले 2015 में उजागर हुए एक करोड़ रुपए से अधिक के सरकारी बैंक ऋण घोटाले के एक प्रकरण में न्यायालय ने 7 आरोपियों को 4-4 साल कैद की सजा सुनाई है। फैसला एडीजे श्रीमती सोनल चौरसिया की अदालत ने सुनाया है। सजा पाने वाले आरोपियों में तत्कालीन बैंक मैनेजर मंगल मौर्य और वेयर हाउस संचालक शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि 9-10 साल पहले जिला सहकारी बैंक के मैनेजर मंगल मौर्य ने विशंभर वेयर हाउस के संचालकों से सांठगांठ कर वेयर हाउस में रखी किसानों की उपज की फर्जी रसीदों के आधार पर 1 करोड़ से अधिक का ऋण बांट दिया था। मामला उजागर होने के बाद पुलिस ने जिला सहकारी बैंक के अधिकारियों की रिपोर्ट पर मामले में तत्कालीन बैंक मैनेजर को आरोपी बनाया था। पुलिस ने जांच के बाद प्रकरण न्यायालय के सक्षम पेश किया था।

11 करोड़ के ऋण घोटाले का निर्णय आना शेष...
जिला सहकारी बैंक सावन, नीमच और जीरन में 2014-15 में वेयर हाउस में रखी उपज की रसीदों के आधार पर करोड़ों रुपए के ऋण घोटाले हुए थे, जिसमें शुक्रवार को सिर्फ एक प्रकरण में न्यायालय का निर्णय आया है। फिलहाल मयंक पोरवाल के प्रकरण में निर्णय नहीं आया है, जिसमें करीब 11करोड़ रुपए का ऋण घोटाला हुआ था, जो खासा सुर्खियों में रहा था।

स्वामी प्रकाशक राजेश लक्षकार के लिए मुद्रक प्रेमप्रकाश जैन के द्वारा नाकोड़ा ग्राफिक्स सिस्टम एण्ड प्रिंटर्स, 129, विकास नगर, नीमच (म.प्र.) से मुद्रित कर 51 पीपल चौक जीरन, जिला-नीमच से प्रकाशित। **सम्पादक - राजेश लक्षकार***